सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

DGR Detective Group Report

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 121 | इंदौर, शनिवार 15 नवंबर, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

डॉ. मोहन यादव का जादू चला, जिन सीटों पर प्रचार किया, उन 21 सीटों पर NDA प्रत्याशी आगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनावों की मतगणना जारी है। रुझानों में एनडीए बड़ी बढ़त ले रहा है। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी बिहार चुनाव में प्रचार किया था। उन्होंने जिन 21 विधानसभा सीटों पर प्रचार किया, वो सभी एनडीए के पक्ष में जाती दिख रही हैं। वहां एनडीए के प्रत्याशी आगे चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव के रुझानों को उत्साहवर्धक बताते हुए कहा कि जनता ने एक बार फिर विकास और स्थिरता के लिए एनडीए पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि बिहार में विकास के लिए फिर तैयार एनडीए सरकार—यह जनादेश इसका प्रमाण है।

डॉ. यादव ने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकासपरक राजनीति का नया दौर देखा है। लोकसभा के तीनों चुनावों में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिला। दिल्ली में भाजपा ने अपनी सरकार बनाई और अब उसी क्रम में बिहार में लगातार तीसरी बार एनडीए की वापसी हो रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और अब बिहार के चुनाव परिणाम यह दर्शा रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए की लहर जारी है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके गठबंधन दलों की कुव्यवस्थाओं को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है। कांग्रेस ने इस चुनाव में राजद को डुबाने का काम किया है। कांग्रेस के सबसे बड़े नेता समय से पहले ही चुनाव मैदान छोड़कर चले गए, जिसका खामियाजा सहयोगी दल को भुगतना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि देश के विकास और सुरक्षा की दिशा में जो निर्णय लिए गए हैं, वे देश का मनोबल बढ़ाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में जीत की ओर बढ़ते एनडीए गठबंधन के साथियों और प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को बधाई देना चाहता हूं।

डॉ. यादव ने यह भी कहा कि बिहार में भाजपा ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक सीटें जीत रही है। नंबर-वन पार्टी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है, जबकि दूसरे स्थान पर भाजपा का सहयोगी जदयू है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है और एनडीए इसे विनम्रता से स्वीकार करते हुए बिहार के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी आज गुजरात को देंगे 9,700 करोड़ की सौगात

परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनजातीय गौरव दिवस मनाने और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह में भाग लेने के लिए आज शनिवार को गुजरात का दौरा करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नर्मदा जिले में 9,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे।

इन परियोजनाओं में आदिवासी कल्याण, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और विरासत पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रधानमंत्री दोपहर करीब 12:45 बजे नर्मदा जिले के देवमोगरा मंदिर में पूजा और दर्शन करेंगे। इसके बाद वह दोपहर करीब 2:45 बजे डेडियापाड़ा पहुंचेंगे और एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां वह कई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे।

इन परियोजनाओं में प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए-जगुआ) के तहत बने एक लाख घरों का गृह प्रवेश शामिल है। इसके अलावा पीएम मोदी लगभग 1,900 करोड़ रुपये की लागत वाले 42 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों, डिब्रूगढ़ में असम मेडिकल कॉलेज में एक सक्षमता केंद्र और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए इंफाल में एक जनजातीय अनुसंधान संस्थान भवन का भी उद्घाटन करेंगे।

● 250 बसों को हरी झंडी दिखाएंगे 50 नए एकलव्य विद्यालयों की आधारशिला रखेंगे

प्रधानमंत्री गुजरात के 14 आदिवासी जिलों में कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए 250 बसों को हरी झंडी दिखाएंगे। वह आदिवासी क्षेत्रों में 748 किलोमीटर नई सड़कों और डीए-जगुआ के तहत 14 आदिवासी बहु-विपणन केंद्रों की आधारशिला रखेंगे। पीएम मोदी 2,320 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 50 नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की भी आधारशिला रखेंगे।

● सूरत में आज बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति की करेंगे समीक्षा

पीएम मोदी सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा करेंगे और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा करेंगे। यह भारत की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है और देश के हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के युग में प्रवेश का प्रतीक है। एमएएचएसआर लगभग 508 किलोमीटर लंबा है, जिसमें 352 किलोमीटर हिस्सा गुजरात और दादरा व नगर हवेली में और 156 किलोमीटर महाराष्ट्र में है। यह कॉरिडोर साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी, बोईसर, विरार, ठाणे और मुंबई सहित प्रमुख शहरों को जोड़ेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहर का किया औचक निरीक्षण

गोपाल मंदिर परिसर में नवनिर्मित सभागृह बनेगा गीता भवन

● एक दिसम्बर को गीता जयंती पर नवनिर्मित सभागृह किया जाएगा लोकार्पित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर के ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहर गोपाल मंदिर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। मुख्यमंत्री

डॉ. यादव विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में नवनिर्मित सभागृह को "गीता भवन" के रूप में विकसित किया गया है। गीता जयंती के अवसर पर इसे एक दिसंबर को जनता को समर्पित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सभागृह 500 सीट का रहेगा। इसमें सभी अत्याधुनिक सुविधाएं रहेंगी। यह सभागृह धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का केन्द्र बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोपाल मंदिर में बच्चों को स्नेहपूर्वक दुलार किया और आसपास के दुकानदारों से भी चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूरे मंदिर परिसर में चल रहे विकास कार्यों और जीर्णोद्धार के कार्यों को देखा। उन्होंने निर्देश दिए कि मंदिर को अपने प्राचीन तथा गौरवशाली स्वरूप में पुनर्स्थापित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि गीता जयंती पर पूरे मध्यप्रदेश में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हर जिले में गीता भवन विकसित किए जाएंगे ताकि धार्मिक, सांस्कृतिक और अध्यात्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अर्थ जैन एवं श्री सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल थे।

दुनिया के टॉप 2% रिसर्चर्स में इंदौर के तीन साइंटिस्ट्स

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर ने एक बार फिर रिसर्च के क्षेत्र में देश का नाम रोशन किया है। देवी अहिल्या विवि की प्रो. अंजना जाजू, डॉ. मुकेशचंद्र शर्मा और यूजीसी-डीएई के डायरेक्टर डॉ. वसंत साठे को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी (अमेरिका) और एल्सेवियर द्वारा जारी विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है।

यह रैंकिंग वैज्ञानिकों के एच-इंडेक्स, शोध पत्रों की संख्या और प्रभाव के आधार पर तय होती है। इसमें कुल 22 विषयों और 174 उप-क्षेत्रों के वैज्ञानिकों का मूल्यांकन किया जाता है। इंदौर के तीनों वैज्ञानिक कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक रिसर्च से जुड़े हैं। देवी अहिल्या विवि के कुलपति प्रो. राकेश संघवी और यूजीसी-डीएई के डायरेक्टर प्रो. कौस्तुभ प्रियोलकर ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह इंदौर और भारत के लिए गौरव की बात है। डॉ. अंजना जाजू को जल-संकट

में फसलों की स्थिरता पर शोध के लिए लगातार छठे वर्ष यह सम्मान मिला है। डॉ. मुकेश शर्मा को फार्मेसी व फार्माकोलॉजी में योगदान के लिए लगातार चौथे साल वैश्विक मान्यता मिली है। डॉ. वसंत साठे ने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के जरिए परमाणु स्तर पर कंपनों को मापने की नई तकनीक विकसित की है इसलिए उन्हें विश्व स्तरीय मान्यता मिली है। यह मान्यता एक समग्र स्कोर पर आधारित है, जो शोध प्रभाव का मूल्यांकन साइटेशन, एच-इंडेक्स, सह-लेखक मानदंडों और 170 से अधिक वैज्ञानिक उप-शाखाओं में प्रकाशन के महत्व के आधार पर करता है। देवी अहिल्या विवि के स्कूल ऑफ फार्मेसी के एसोसिएट प्रो. डॉ. मुकेशचंद्र शर्मा को भी क्लिनिकल मेडिसिन, फार्मेसी और फार्माकोलॉजी के क्षेत्रों की सूची में शामिल किया गया है। यह लगातार चौथा वर्ष है जब डॉ. शर्मा ने यह सम्मान प्राप्त किया है। यूसीजी-डीएई कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक रिसर्च से जुड़े डॉ. वसंत साठे को लगातार दूसरे वर्ष विश्व के शीर्ष 2% शोधकर्ताओं की सूची में शामिल किया गया है। डॉ. साठे अपने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के क्षेत्र में अग्रणी कार्य के लिए जाने जाते हैं।

78400 रुपए कीमत की अवैध मदिरा और वाहन जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। आबकारी वृत्त आंतरिक-2 प्रभारी जया मुजाल्दे ने अपनी टीम के साथ शुक्रवार को दिलीप नगर, सुपर कॉरिडोर के पास से गश्त के दौरान एक दोपहिया वाहन स्कूटर से अवैध परिवहन कर ले जाई जा रही 50 पाव देसी मदिरा प्लेन, 50 पाव देसी मदिरा मसाला एवं 46 पाव सीपी वोदका मदिरा जब्त कर आरोपी अनिल पिता बलराम रघुवंशी निवासी ग्राम बरदरी पीथमपुर धार (मप्र) को पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। जब्त मदिरा और वाहन की कुल कीमत रुपए 78 हजार 400 रूपये आंकी गई है। यह कार्रवाई कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में की गई। कार्यवाही में वृत्त प्रभारी जया मुजाल्दे, आबकारी आरक्षक उस्मान मिर्जा, राहुल जामोद और ड्राइवर रफीक चाचा का सराहनीय योगदान रहा ।

सामूहिक आत्महत्या की कोशिश

परिवार ने खुद पर केरोसिन डाला, युवक बिजली के तार पकड़ने पोल पर चढ़ा

● युवती छत से कूदने लगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम को देखकर परिवार के कुछ लोगों ने खुद पर केरोसिन डाल लिया। एक शख्स पोल पर चढ़ गया, वहीं एक युवती घर की छत पर चढ़ गई। सभी आत्मदाह और सुसाइड करने की धमकी देने लगे। अफसर और पुलिसकर्मियों ने तुरंत केरोसिन छुड़ाकर परिवार के लोगों पर पानी डाला और उन्हें उठाकर ले गए। इसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हुई।

अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट की भूमि पर कब्जे को लेकर लंबे समय से विवाद जारी है। कलेक्टर के निर्देश पर शुक्रवार को पुलिस, नगर निगम और प्रशासन की संयुक्त टीम मौके पर अतिक्रमण हटाने पहुंची। तनावपूर्ण माहौल के

बीच पुलिस ने वहां मौजूद परिवार को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक 4 परिवारों ने यहां कब्जा किया था। अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट की जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद लंबे समय से चल रहा था। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने इस संबंध में कलेक्टर को शिकायत की थी। अतिक्रमणकारियों ने पहले भी विवाद किया था, ये मामला पुलिस थाने में लंबित था। कलेक्टर शिवम वर्मा ने एसडीएम और तहसीलदार को भूमि की जांच के निर्देश दिए थे। जांच में जमीन मंदिर प्रशासन की ही पाई गई। इसके आधार पर गुरुवार को कब्जा हटाने के आदेश जारी किए गए। शुक्रवार सुबह टीम कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंची। रहवासियों ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। एक महिला और दो युवकों ने खुद पर केरोसिन उड़ेलकर आत्मदाह की धमकी दी। पुलिसकर्मियों ने तुरंत उन पर पानी डालकर उन्हें काबू में किया और थाने ले गए। इसी दौरान एक युवती छत पर चढ़ गई और आत्महत्या की धमकी देने लगी। महिला पुलिसकर्मी ने जोखिम उठाकर उसे नीचे उतारा, इस दौरान युवती घायल भी हो गई। कार्रवाई के दौरान एक युवक मंदिर परिसर की दीवार पर चढ़ गया और उसके पास लगे बिजली के पोल पर चढ़कर आत्महत्या की धमकी देने लगा। वह बार-बार पुलिस और प्रशासन को बिजली का तार पकड़ लेने की चेतावनी देकर कार्रवाई रोकने का दबाव बनाता रहा। हालांकि, एहतियात के तौर पर प्रशासन पहले ही इलाके की बिजली सप्लाई बंद करवा चुका था। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद युवक को नीचे उतारा। इस दौरान नगर निगम की टीम कब्जा हटाने की कार्रवाई में जुटी रही।

वीआईपी नंबर की बोली जीती, बावजूद रूटीन नंबर जारी किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। वीआईपी नंबर की सफल बोली लगाने के बाद भी नंबर जारी न करने पर इंदौर हाईकोर्ट ने आरटीओ की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। मामले में याचिकाकर्ता ने बताया कि उसने अपनी स्कॉर्पियो के लिए वीआईपी नंबर की नीलामी में हिस्सा लिया, बोली जीती और पूरी राशि जमा भी कर दी, लेकिन इसके बावजूद आरटीओ ने उसे रूटीन नंबर जारी कर दिया।

हाईकोर्ट ने इसे गंभीर त्रुटि मानते हुए निर्देश दिया कि वाहन पर दिया गया रूटीन नंबर तुरंत निरस्त किया जाए और याचिकाकर्ता को वही वीआईपी नंबर आवंटित किया जाए, जिसके लिए उसने निर्धारित प्रक्रिया के तहत भुगतान किया था। आदेश जस्टिस प्रणय वर्मा की बेंच ने जारी किया। कोर्ट में 11 नवंबर को सुनवाई के बाद सुरक्षित रखा था। गुरुवार 13 नवंबर को कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। दरअसल, आरटीओ से जुड़ी अनियमितताओं के मामले लंबे समय से सामने आते रहे हैं। नियम, पारदर्शिता और ऑनलाइन सिस्टम का दावा करने वाले इंदौर आरटीओ में इस बार भी गंभीर गड़बड़ी हुई है। मामला वीआईपी नंबर एमपी-09 एयू 0101 की नीलामी से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने ऑनलाइन बोली में सफलता मिलने के बाद पूरी राशि जमा करा दी, लेकिन जब वाहन को नंबर अलॉट करने की बारी आई तो आरटीओ ने प्रक्रिया से हटकर उसकी स्कॉर्पियो को रूटीन नंबर एमपी-09 एडब्ल्यू 6046 जारी कर पल्ला झाड़ लिया। याचिकाकर्ता द्वारा परिवहन सचिव, ट्रांसपोर्ट कमिश्नर और इंदौर आरटीओ के यहां कई बार शिकायतें करने के बाद भी एक महीने तक कोई सुनवाई नहीं हुई। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट केके गुरु ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। सुनवाई के दौरान जस्टिस प्रणय वर्मा की पीठ ने इंदौर आरटीओ पर कड़ी नाराजगी जताते हुए पूछा कि जब याचिकाकर्ता को सफल बोलीदाता घोषित कर दिया गया और पूरी राशि समय सीमा में जमा भी कर दी गई, तो फिर उसे रूटीन नंबर क्यों जारी किया गया। याचिकाकर्ता की पैरवी कर रहे एडवोकेट केएल पुरोहित की दलीलों से सहमत होते हुए हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को जारी किया गया रूटीन नंबर एमपी-09 एडब्ल्यू 6046 निरस्त किया जाए और उसे उसका निर्धारित वीआईपी नंबर एमपी-09 एयू 0101 तुरंत आवंटित किया जाए। राशि लेने के बाद भी मनचाहा नंबर नहीं देने पर कोर्ट ने हैरानी जताई। वहीं, सरकारी वकील ने भी कोर्ट से उपयुक्त आदेश पारित करने का आग्रह किया। इसके बाद हाईकोर्ट ने इंदौर आरटीओ के खिलाफ आदेश जारी कर दिया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण काम की समीक्षा

निर्वाचन आयोग के सचिव बोले- वैध मतदाता का नाम न छूटे और अवैध नाम न जुड़ें

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग के सचिव विनोद कुमार की अध्यक्षता में इंदौर जिले की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण- 2026 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समीक्षा बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बैठक में उप सचिव भारत निर्वाचन आयोग मनीष कुमार, कलेक्टर शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर नवजीवन पंवार, रिंकेश वैश्य, संयुक्त कलेक्टर अजीत कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे। बैठक में निर्वाचन आयोग के सचिव विनोद कुमार ने इंदौर जिले की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण - 2026 कार्यों की प्रगति देखी और इसकी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य-2026 को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। इस कार्य की सतत मॉनिटरिंग करें। इस काम में नगर निगम भी सहयोग करें। सचिव ने कहा कि इंदौर जिले की मतदाता सूची में किसी भी वैध मतदाता का नाम नहीं छूटे और अवैध नाम नहीं जुड़े।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एमजी रोड थाने का किया अचानक निरीक्षण

इंदौर पुलिस द्वारा आमजन की सुविधाओं के लिए किए जा रहे नवाचारों का किया अवलोकन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर भ्रमण के दौरान थाना एमजी रोड़ का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने थाने की विभिन्न व्यवस्थाओं को देखा तथा थाने के रजिस्टरों को चैक किया। उन्होंने थाने द्वारा की जा रही कार्रवाईयों की जानकारी भी ली। इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने पुलिस द्वारा आमजन की सुविधाओं के लिए किए जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने थाना में हेड मोहर्रिर कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने एफआईआर दर्ज करने की कम्प्युटराईज्ड व्यवस्था को देखा। मौजूद स्टाफ से एफआईआर लिखने की प्रक्रिया की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोजनामचे का भी निरीक्षण किया। दोपहर

12 बजे किये गये निरीक्षण में पाया गया कि अंतिम एंट्री सुबह 11.38 बजे की थी। इस दौरान पाया गया कि एक आरक्षक रिंकू सिंह 8 नवम्बर से बगैर सूचना के अनुपस्थित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिए कि वे अनुपस्थिति का परीक्षण करें और नियमानुसार कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगन्तुक रजिस्टर का अवलोकन भी किया। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने बताया कि आमजन की सुविधा और उनके फीडबैक लेने के लिए हर थाने में आगन्तुक रजिस्टर रखा गया है। रजिस्टर में थाने में आने वाले आगन्तुक अपने फीडबैक दर्ज कर सकते है। उन्होंने बताया कि आगन्तुक रजिस्टर के आधार पर फीडबैक देने वाले नागरिकों से पुनः फीडबैक लेने के लिए भी विशेष व्यवस्था है। पुलिस कमिश्नर कार्यालय में इसके लिए एक अलग से फीडबैक सेक्शन बनाया गया है। इस सेक्शन द्वारा हर माह लगभग 5 हजार आगन्तुकों से फीडबैक फोन के माध्यम से लिया जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुलिस कमिश्नर कार्यालय द्वारा फीडबैक लेने के लिए क्यूआर कोड के संबंध में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि कोई भी नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर अपना फीडबैक दे सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि थानों में अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों का निष्पादन किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि थानों में आने वाले प्रत्येक नागरिक की संवेदनशीलता के साथ सुनवाई हो। नागरिकों की सुविधाएं एवं हितों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस पूर्ण दक्षता के साथ कार्य करें।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित सिंह तथा राजेश कुमार सिंह, सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल थे।

हाउसिंग बोर्ड ने बनाकर दिए घर अब सड़क चौड़ीकरण में टूटेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर के मध्यक्षेत्र में स्थित नेहरू नगर की सड़कों को नए मास्टर प्लान में शामिल किया गया है। यहां पर 60 फीट की सड़क बनाई जाएगी और क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने के लिए रहवासियों के घर और दुकानों को 10 फीट तक तोड़ा जाएगा। रहवासी इसका लंबे समय से विरोध कर रहे हैं।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और स्थानीय नेताओं ने रहवासियों से बातचीत में बीच का रास्ता निकालने का कहा है। नेहरू नगर की यह कॉलोनी मप्र हाउसिंग बोर्ड ने बसाई थी। 1965 में बसा यह क्षेत्र शहर का सबसे विकसित क्षेत्र माना जाता रहा है। ट्रैफिक बढ़ने के साथ यहां पर भी दबाव बढ़ा है और उसी के चलते प्रशासन यहां पर सड़क चौड़ीकरण के प्रयास कर रहा है। रहवासियों का कहना है कि उनके घर और दुकानें पूरी तरह से वैध हैं और अगर उन्हें अपने घर और दुकानें तोड़ना पड़े तो वे इसका हर स्तर तक विरोध करेंगे। यहां पर लगभग 300 दुकानें हैं और महिलाएं भी बड़ी संख्या में यहां पर व्यापार करती हैं। रहवासियों का कहना है कि अधिकतर घर और दुकानों की रजिस्ट्री बैंकों में गिरवी रखी हुई है। यदि हमें इसे तोड़ना पड़ा तो फिर से निर्माण के लिए लोन लेना पड़ेगा और अब बैंक लोन नहीं देगी। इंदौर का लोकप्रिय अटल द्वार भी यहीं पर बना है। अटल द्वार की वजह से सड़क की चौड़ाई 43 फीट के लगभग आ जाती है। यदि यहां पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य होगा तो अटल द्वार को तोड़ना पड़ेगा जिसे शहर के नेताओं और नगर निगम ने बड़े जोर शोर से बनवाया था।

महिला की सड़क हादसे में मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलारिया में गुरुवार को एक महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, पूजा (25) पति गोलू ठहरिया निवासी ग्राम कलारिया सामान लेने के लिए घर से निकली थी। सड़क पार करते समय उसे एक कार ने टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन रात में उसने दम तोड़ दिया।चंदन नगर पुलिस ने बताया कि पूजा को एक कार ने जोरदार टक्कर मारी, जो हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पति गोलू ने बताया कि उनका परिवार मूल रूप से गंजबासौदा का है और कुछ समय पहले काम के सिलसिले में इंदौर आए थे। पूजा के पहले पति से दो बच्चे थे, जो उनके साथ ही रहते थे। परिवार ने बताया कि पूजा के पहले पति की दो साल पहले ट्रेन हादसे में मौत हो गई थी। पूजा और गोलू उसी गांव के रहने वाले थे और कुछ महीने पहले ही पूजा ने गोलू से दूसरी शादी की थी। पुलिस अब कार और ड्राइवर की पहचान करने में जुटी हुई है।

होटल, मॉल की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों की चेकिंग, 1170 के चालान कटे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर में जारी सुरक्षा अलर्ट के मद्देनजर इंदौर पुलिस ने बीती रात सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस की अलग-अलग टीमों ने मॉल की पार्किंग, होटलों, हॉस्टलों और किराए के मकानों में औचक निरीक्षण किया। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति पर समय रहते लगाम कसना है।

देर रात चले इस अभियान में विशेष रूप से विजय नगर और कनाडिया थाना पुलिस सक्रिय रही। टीमों ने अपने-अपने इलाकों के प्रमुख मॉलों की पार्किंग में जाकर वहां खड़ी कारों की बारीकी से जांच की। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि वाहनों के नंबर, चालक और वाहन स्वामियों से जुड़ी जानकारी जुटाई गई। पार्किंग स्टाफ से भी पूछताछ की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई वाहन लंबे समय से संदिग्ध अवस्था में तो

नहीं खड़ा है। मॉल के साथ ही पुलिस ने शहर के विभिन्न इलाकों में होटलों, हॉस्टलों और किराए के मकानों में रहने वालों की भी जांच की। पुलिस ने चेतावनी दी है कि जो भी व्यक्ति या मकान मालिक बाहरी लोगों या किराएदारों की जानकारी पुलिस को उपलब्ध नहीं कराएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एडिशनल डीसीपी के अनुसार, शहर में बढ़ते आयोजनों और भीड़भाड़ को देखते हुए सुरक्षा निगरानी बढ़ाई गई है। सुरक्षा चेकिंग के साथ-साथ ट्रैफिक पुलिस ने भी नियमों का उल्लंघन करने वालों पर शिकंजा कसा है। इसी क्रम में, गुरुवार को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले 1170 चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त, 13 नवंबर की सुबह से 14 नवंबर की सुबह तक 'नो एंट्री' जोन में प्रवेश करने वाले 14 भारी वाहनों को भी पकड़ा गया। इन वाहनों से 70,000 रुपये का समन शुल्क वसूल कर उन्हें भविष्य में नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई।

लुटेरों ने बुजुर्ग की पत्थर मारकर हत्या कर दी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लुटेरे ने बीच सड़क पर बुजुर्ग को रोका। रुपए छीनने की कोशिश की। बुजुर्ग ने विरोध किया तो लुटेरों ने पत्थर मारकर हत्या कर दी। इस दौरान रास्ते से लोग गुजरते रहे, लेकिन किसी ने भी बुजुर्ग की मदद नहीं की। ये पूरी वारदात मौके पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। घटना खजराना इलाके में गुरुवार रात की है। 65 वर्षीय परमेश्वर बोरे को सड़क पर पड़ा देख, एक राहगीर ने उनके बेटे को इसकी जानकारी दी। बुजुर्ग के बेटे ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस में शिकायत दी। लेकिन पुलिस ने मानने से इनकार कर दिया। शुक्रवार को लूट और हत्या का सीसीटीवी फुटेज सामने आया। तब जाकर पुलिस ने जांच कर आरोपियों की गिरफ्तार की बात कही। फुटेज में दिखाई दे रहा है कि एक बदमाश लूट की नीयत से बुजुर्ग के पास पहुंचा और उनसे पैसे छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी ने हत्या कर दी और भाग निकला। बेटे लोकेश ने बताया कि पिता रात की ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे। उसी दौरान बदमाश ने उन्हें रोका। लोकेश का कहना है कि मौके पर मौजूद एसआई अनिल गौतम को उन्होंने हत्या की आशंका बताई थी, लेकिन उन्होंने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। बुधवार रात बुजुर्ग को घायल अवस्था में परिजन एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे।

भगवान बिरसा मुंडा का अपमान

● सरकारी पत्र में लिखवा गुंडा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में शुक्रवार को जनजातीय कार्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। इससे यहां का माहौल गरमा गया है। दरअसल, विभाग की ओर से जारी एक आधिकारिक पत्र में जननायक भगवान बिरसा मुंडा के नाम की जगह 'बिरसा गुंडा' लिख दिया गया। जैसे ही यह पत्र सोशल मीडिया पर सामने आया। आदिवासी संगठनों में भारी नाराजगी फैल गई। देखते ही देखते भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा, आदिवासी समाज के लोग और अन्य सामाजिक संगठन सड़क पर उतर आए और विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार, भोपाल से मिले निर्देशों के बाद रतलाम जनजातीय कार्य विभाग ने 9 नवंबर को एक पत्र जारी किया था। इस पत्र में 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जाने वाली रथ यात्रा के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी तय की गई थी। इसी पत्र में भगवान बिरसा मुंडा की जगह गलती से 'बिरसा गुंडा' टाइप कर दिया गया। विरोध बढ़ता देख जनजातीय विकास विभाग की सहायक आयुक्त रंजना सिंह ने क्षमा याचना पत्र जारी किया। उन्होंने माना कि यह एक टंकण त्रुटि (टाइपिंग एरर) थी, जो अवकाश के चलते हुई। उन्होंने बताया कि उस दिन प्रभारी अधिकारी ने बिना पर्याप्त ध्यान दिए हस्ताक्षर कर विभागीय ग्रुप में पत्र पोस्ट कर दिया, वहीं विभाग ने इस गलती के लिए टाइपिस्ट को नोटिस भी जारी किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मोरतलाई में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल

जनजातीय गौरव दिवस वह शंखनाद है, जिसने जननायकों के बलिदान और शौर्य का परिचय नई पीढ़ी से कराया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बड़वानी, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश जनजातियों का अपना घर है, जिस ट्राइबल स्टेट भी कहा जाता है। यह उपमा ही हमारे अस्तित्व का सबसे बड़ा अभिनंदन है। जनजातियां, हमारी मुकुट मणियां हैं, यह प्रत्येक मध्यप्रदेशवासी के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान की बात है। अबुआ दिशुम-अबुआ राज यानी हमारी धरती, हमारा राज। हमारी धरती और संस्कृति ही हमारी पहचान है और इसी पहचान का उत्सव हम सब आज बड़वानी में मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस वह शंखनाद है, जिसने नई पीढ़ी को वीर जननायकों के बलिदान, शौर्य और साहस से परिचित कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को बड़वानी जिले की पानसेमल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मोरतलाई में जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम मोरतलाई में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की भव्य आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण किया। साथ ही बड़वानी जिले के लिए 133 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 6 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 5 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमें 46 करोड़ से अधिक की लागत से तैयार

राजपुर से दवाना मार्ग का लोकार्पण और 14 करोड़ 86 लाख रूपए की लागत से सेंधवा में नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन, बलवाड़ी का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर पानसेमल और बारला में उद्वहन सिंचाई परियोजना के विस्तार की घोषणा करते हुए कहा कि अब क्षेत्र के सभी 51 गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए जल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पानसेमल में रेस्टहाउस बनाने और यहीं पर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) का कार्यालय (एसडीओपी आफिस) खोलने, टेमला में हायर सेकेंडरी स्कूल खोलने, मोरतलाई के मिडिल स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रोन्नत करने एवं रायचूर में उपलब्ध हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रोन्नत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने रामगढ़ से सापखड़की तक पक्की रोड बनाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि विकास की बात पर हमें सबका साथ चाहिए। सबके साथ और सहयोग से ही प्रदेश को विकास की ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे जनजातीय भाई-बहनों ने सदैव अपनी माटी और अपनी संस्कृति के लिए जी-जान एक किया है। राजा भभूत सिंह से लेकर रानी अवंतिबाई तक अनेक जनजातीय नायकों की कहानी हमें आश्चर्य से भर देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़वानी आते ही मन जनजातीय रंग में रंग गया है। मैं वीरों की भूमि बड़वानी की माटी से तिलक करता हूं, क्योंकि इस मिट्टी के कण-कण में रण है। यहां की मिट्टी ने भीमा नायक, खाज्या नायक और वीर बिरजू नायक जैसे अमर बलिदानियों को जन्म दिया। इन वीरों ने अपने पराक्रम से अंग्रेजों को छठी का दूध याद दिला दिया। इन सभी अमर सपूतों के चरणों में नमन है। उन्होंने कहा कि जनजातीय संस्कृति, परम्पराओं और आप सभी भाइयों-बहनों की उपस्थिति ने ही इस कार्यक्रम को गरिमामय बनाया है। उन्होंने सभी को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर) की अग्रिम बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती भव्य स्वरूप में मनाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 साल पहले जनजातीय नायकों को सम्मान देने की परंपरा की शुरुआत की। हमारे जनजातीय नायकों ने जनजाति अंचलों से स्वतंत्रता के लिए आवाज उठाई और भारत माता के जयकारे लगाते हुए अंग्रेजों से आजादी की लड़ाई लड़ी। उन्होंने अंग्रेजों से कहा था कि ये धरती खाली करो... ये जल, जंगल और जमीन हमारी है। भारत 1947 में आजाद तो हो गया, लेकिन तत्कालीन सरकारों ने समाज के नायकों को भुलाने का कार्य किया, खुद सत्ता के नशे में चूर हो गए। किसी भी जनजातीय नायक को कभी सम्मान नहीं दिया।

बिहार हार पर दिग्विजय ने ईवीएम और एसआईआर पर फोड़ा ठीकरा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। बिहार चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस ने अपनी हार की वजह एक बार फिर SIR प्रक्रिया और EVM को बताया है। इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि चुनाव को लेकर उनकी जो शंका थी, वह अब सही साबित होती दिख रही है। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि शिकायत करे वाले शिकायत

करते रहें। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने बिहार में NDA द्वारा बहुमत का आंकड़ा पार करने पर कहा कि इस प्रचंड जीत पर केवल खुशी ही व्यक्त की जा सकती है। जहां तक मैं देख रहा हूं, चुनावी राजनीति में ऐसी ऐतिहासिक जीत दुर्लभ होंगी। आकलन करने वाले आकलन करते रहें, शिकायत करने वाले शिकायत करते रहें। जनता ने नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी की विकास की अवधारणा को स्वीकार किया है। दिग्विजय सिंह के अनुसार, चुनाव के दौरान 62 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जबकि 20 लाख नए नाम जोड़े गए। इनमें भी करीब 5 लाख वोट बिना SIR फॉर्म भरे जोड़े जाने का आरोप है। उन्होंने दावा किया कि हटाए गए वोटों में बड़ी संख्या गरीब, दलित और अल्पसंख्यक तबके के मतदाताओं की है। दिग्विजय सिंह ने लिखा कि EVM को लेकर संदेह अभी भी जस का तस है। दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस हाईकमान को सुझाव देते हुए कहा कि संगठन को मजबूत बनाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उनके अनुसार, अब चुनाव रैलियों और जनसभाओं से नहीं, बल्कि बूथ स्तर पर गहन जनसंपर्क से जीता जाता है। उन्होंने बिहार में विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं भी दीं।

खुद को अगवा करवाया, पिता से मांगी 50 लाख फिरौती

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गरोठ (मंदसौर), एजेंसी। **मंदसौर में पीडब्ल्यूडी इंजीनियर के 22 वर्षीय बेटे हर्शुल जैन उर्फ हनी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर खुद के अपहरण की कहानी रच डाली और परिवार से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगने की योजना बनाई। पुलिस ने तकनीकी जांच के बाद 24 घंटे से भी कम समय में सुलझा दिया।**

शामगढ़ पुलिस के मुताबिक, पीडब्ल्यूडी इंजीनियर कमल जैन का परिवार सर्किट हाउस के पीछे बने सरकारी बंगले में रहता है। इंजीनियर कमल जैन ने गुरुवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनका बेटा हर्शुल सुबह करीब 8 बजे कोटा जाने के लिए निकला था, लेकिन रास्ते में उसका अपहरण हो गया। दोपहर करीब 4 बजे परिवार को हर्शुल के मोबाइल नंबर से कॉल आया, जिसमें अपहरणकर्ताओं ने 50 लाख रुपए की फिरौती की मांग की थी। इस सूचना के बाद मंदसौर पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई। एसपी विनोद कुमार मीणा के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई और तलाशी अभियान तेज कर दिया गया। कोटा और राजस्थान के कई इलाकों में पुलिस ने लोकेशन के आधार पर जांच शुरू की। शुरू में यह मामला एक गंभीर अपहरण की तरह सामने आ रहा था, लेकिन पुलिस को हर्षिल के मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल में कई विरोधाभास नजर आए। जांच के दौरान पुलिस ने हर्शुल के सबसे करीबी दोस्त गणपत सिंह को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में गणपत ने वह सच बताया, जिसने केस की दिशा ही बदल दी। उसने खुलासा किया कि हर्शुल गहरे कर्ज में था और आर्थिक दबाव के चलते उसने खुद ही किडनैपिंग का प्लान बनाया। उसके तीन दोस्त गणपत सिंह, जनरल सिंह (बलौदा, बूंदी) और कुलदीप अमरालिया (चौराया, बूंदी) इस साजिश में शामिल थे।

नर्मदापुरम में 8 साल की बच्ची से रेप

चाचा ने अकेला पाकर गलत हरकत किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम जिले के बनखेड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव में 8 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला आया है। बच्ची के पड़ोसी चचेरे चाचा ने उसे अकेला पाकर अपने घर ले जाकर गलत हरकत किया। माता-पिता की शिकायत पर शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 11 नवंबर की शाम लगभग 4 बजे की है। पीड़िता के माता-पिता उस समय मजदूरी करने के लिए घर से बाहर गए थे। इसी दौरान, पड़ोस में रहने वाले आरोपी चचेरे चाचा ने 8 वर्षीय बालिका को बहला-फुसलाकर अपने घर में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जब लड़की ने मदद के लिए जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। बच्ची की आवाज सुनकर उसकी दादी तुरंत मौके पर पहुंच गईं। दादी को देखकर आरोपी डर गया और वहां से भाग गया। घटना के दो दिन बाद, बच्ची के माता-पिता ने 13 नवंबर को शाम 5 बजे बनखेड़ी थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोपी के खिलाफ बीएनसी की धारा 65(2), 351(3) के तहत केस दर्ज किया गया है। पॉक्सो एक्ट भी लगाया गया है।

जिस्मफरोशी कर रही बांग्लादेशी महिला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर, एजेंसी। शहर के घनी बस्ती में एक और बांग्लादेशी महिला पकड़ी गई है। चौंकाने वाली बात यह कि वह पिछले एक साल से ग्वालियर में रह रही थी और किसी को भनक तक नहीं लगी। महिला ने पूछताछ में बताया कि वह नदी और पहाड़ों के रास्ते भारत में घुसी और यहां अपनी बांग्लादेशी सहेली के साथ वेश्यावृत्ति का धंधा कर रही थी। जबकि उसकी सहेली फरार हो गई है। पुलिस पकड़ी गई बांग्लादेशी महिला से पूछताछ कर रही है। अब तक पुलिस ने ग्वालियर से 10 बांग्लादेशी लोगों को पकड़ा है। दअरसल ग्वालियर थाना क्षेत्र के सेवा नगर स्थित एक अपार्टमेंट में यह महिला रह रही थी और पड़ाव व हाईकोर्ट के पास स्थित दो स्पा सेंटरों पर काम करती थी। पुलिस ने बताया कि मीरपुर, ढाका (बांग्लादेश) की फुकुर बस्ती निवासी महिला को पकड़ा गया है। उसने पुलिस को बताया कि ग्वालियर में बंगाली डॉ. तुषार और बांग्लादेश की उसकी पड़ोसन यहां लंबे समय रह रहे हैं।

20 घंटे जाम, लोग भूखे-प्यासे फंसे रहे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बड़वानी। बड़वानी में मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे पर लगा जाम 20 घंटे बाद शुक्रवार सुबह 10 बजे खुल पाया। घंटों तक खाने-पीने के लिए कुछ नहीं मिला। हालांकि अभी भी वाहन रेंगते हुए निकल रहे हैं। कई ट्रक चालकों का कहना है कि घाट पर जाम से वाहन गर्म होकर खराब हो गए हैं। इंजन काम नहीं कर रहे। शुक्रवार सुबह 9.30 बजे तक केवल दो पुलिसकर्मी जाम खुलवाने का प्रयास कर रहे थे। सेंधवा का पुलिस बल सीएम की ड्यूटी में लगाया गया है। जाम में हालात बिगड़ने पर अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे और मुंबई जाने वाले मार्ग का जाम खुलवाया गया। इंदौर जाने वाले मार्ग से भी जाम खुलवाया जा रहा है।

संपादकीय

महागठबंधन में कांग्रेस एक बोझ जैसी हो गई...

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए हैं। 243 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए को 202 सीटें मिली हैं। वहीं, महागठबंधन को महज 35 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। वहीं, प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज का तो खाता ही नहीं खुला। माना जा रहा था कि महागठबंधन (एमजीबी) एक ऐसे गठबंधन में बदल गया जिसे मतदाता समझ नहीं पाए। ऐसा लग रहा था कि इसका पतन स्व-निर्मित था, जो भ्रमित संदेशों, दोस्ताना झगड़ों, नेतृत्व की कमी और कमजोर अंतर-दलीय समन्वय का सीधा परिणाम था। 14 नवंबर को बिहार मतगणना के साथ-साथ जवाहरलाल नेहरू की जयंती भी थी, जिसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। महागठबंधन में कांग्रेस एक बोझ जैसी हो गई। यानी नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स। कांग्रेस को 61 सीटें मिली थीं और उन्होंने पिछली बार के मुकाबले और ज्यादा बदतर प्रदर्शन किया। इस बार उसे महज 6 सीटें ही मिलीं। यह स्थिति तब और बदतर हो गई जब खबरें आईं कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा इस महत्वपूर्ण दिन विदेश में थे। हालांकि, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के कुछ पदाधिकारियों ने इसकी औपचारिक पुष्टि करने से इनकार कर दिया। हालांकि, यह नहीं बता पाए कि दोनों भाई-बहन जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने क्यों नहीं आए। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि गांधी दक्षिण अमेरिका की यात्रा पर होने के कारण 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर राजघाट भी नहीं गए थे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को बिहार के नतीजों पर कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की। कुछ पार्टी पदाधिकारियों ने छिटपुट तौर पर चुनाव आयोग, राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और यहाँ तक कि 'वोट चोरी' को भी दोषी ठहराया, जिसे राहुल गांधी अपने चुनाव प्रचार के दौरान अक्सर उठाते रहे थे। विपक्षी हलकों ने कांग्रेस के चुनाव और गठबंधन प्रबंधन पर भी सवाल उठाए, जिसमें गांधी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु को चुनना भी शामिल था। कई लोगों ने यह भी सोचा कि क्या बिहार की हार से विपक्षी भारतीय ब्लॉक में दरार और गहरी हो जाएगी और क्षेत्रीय नेताओं के खिलाफ कांग्रेस नेतृत्व की स्थिति और कमजोर हो जाएगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने हमारे सहयोगी अखबार द इकनॉमिक टाइम्स को बताया-कांग्रेस आलाकमान को गंभीरता से आत्मचिंतन करना चाहिए कि बिहार में चुनाव और गठबंधन प्रबंधन कैसे किया गया। साथ ही, जब हमने SIR को एक बड़ा मुद्दा बनाया, तो क्या हम इस पर लोगों को एकजुट करने में सफल रहे? मुझे लगता है कि सरकार द्वारा महिलाओं को 10,000 रुपये देने से एनडीए को मदद मिली, लेकिन जब आदर्श आचार संहिता लागू थी, तो चुनाव आयोग ने इसकी अनुमति कैसे दी? चुनाव की पूर्व संध्या पर अल्लावरु के कहने पर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाए गए अखिलेश प्रताप सिंह, ने कहा-हम आत्मचिंतन करेंगे कि कांग्रेस कहां पिछड़ गई। मैं नीतीश कुमार और एनडीए को बधाई देता हूं। दोस्ताना लड़ाई नहीं होनी चाहिए थी। राजद के संजय यादव और हमारे अपने कृष्णा अल्लावरु बेहतर बता सकते हैं कि हमने खराब प्रदर्शन क्यों किया।

भूतिया ढाबा

एक दिन बच्चों ने पिकनिक जाने की बात कही। यह सुनते ही अंकिता की रूह कांप गई, क्योंकि उसे एक पुराना किस्सा याद आ गया।

ये बात तब कि है जब अंकिता 10वीं क्लास में पढ़ रही थी। एक दिन टीचर ने पिकनिक का प्लान बनाया था। अपने सभी दोस्तों के साथ अंकिता ने भी जाने के लिए हां कर दी। पिकनिक पर जाना था पावागढ़। पूरा स्कूल पिकनिक जा रहा था, इसलिए करीब 30 बस सभी बच्चों को ले जाने के लिए तैयार थी।

अंकिता अपने दोस्तों के साथ सबसे पीछे वाली बस में बैठ गई। सभी हंसते-मस्ती करते हुए बस से जा रहे थे। तभी कुछ दूर जंगल के पास पहुंचकर उसी बस से तेज आवाज आई। ये वक्त रात के करीब डेढ़ बजे का था। ड्राइवर गाड़ी से बाहर निकला, तो उसे पता चला कि टायर फट गया है।

ड्राइवर ने सबसे कहा कि बस का टायर बदलने में करीब दो घंटे लगेंगे आप सब नीचे उतर जाइए। मैं इसे बदल देता हूं। आप लोग पास के ढाबे में जा सकते हैं। वहां गर्म-गर्म चाय पी लीजिए और मैं इस टायर को फटाफट बदलने की कोशिश करता हूं।

ड्राइवर की बात सुनकर सभी बस से उतर गए और पैदल चलते हुए पास के ढाबे में पहुंचे। वहां एक बूढ़ा व्यक्ति चाय बना रहा था। इतनी रात को ढाबा खुला हुआ और किसी इंसान को चाय बनाते देख सबको हैरानी हुई।

उस बूढ़े इंसान ने कहा, "आप सब चाय पी लीजिए। यहां अक्सर लोगों की गाड़ी खराब हो जाती है, इसलिए मैं भी अपना ढाबा हरदम खुला रखता हूं। आप जैसे राहगिरों को कुछ मदद हो जाती है।"

उनकी बात सुनकर सबने चाय का ऑर्डर दे दिया। उन्होंने कुछ ही देर में सबके लिए चाय बनाकर मेज पर रख दी। चाय पीते हुए अंकिता की आंखें एकदम ढाबे की छत की तरफ गईं। वहां अंकिता ने एक औरत को सफेद रंग की साड़ी में खुले बाल लहराते हुए देखा। कुछ देर बाद वो जोर-जोर से हंसने लगी। भले ही हंसने की आवाज किसी को सुनाई नहीं दे रही थी, लेकिन अंकिता ने उसे मुंह खोलकर हंसते हुए देखा था।

ये सब देखकर अंकिता ने डर के मारे आंखें नीचे झुका लीं। कांपते हुए किसी तरह से अंकिता ने चाय दोबारा पीना शुरू ही किया थी कि उसी वक्त जोर-जोर से किसी के चिल्लाने की आवाज जंगल की ओर से आई। ढाबे में बैठे हुए सभी बच्चे और टीचर उस आवाज को सुनकर डर गए। सबको डरा हुआ देखकर उस बूढ़े इंसान ने कहा कि मैं देखकर आता हूं क्या हुआ है। आप लोग यहीं बैठे रहो। इतना कहकर वो आवाज की तरफ बढ़ गया।

तभी एक लड़की को खून की उल्टी लगातार होने लगी। उसको देखकर सबकी हालत और खराब हो गई। उसी समय एक टीचर ने कहा कि तुम सब आग जलाओ और उसके बगल में बैठ जाओ। सबने मिलकर आग जलाई और गोल घेरा करके बैठ गए। टीचर ने सख्त लहजे में सबसे कह दिया कि अकेले कोई कहीं नहीं जाएगा। वैसे भी सब इतना डरे हुए थे कि अकेले कहीं जाने की हिम्मत हो नहीं रही थी।

आग के पास बैठे-बैठे तीन बज गए। तब कहीं जाकर वो बूढ़ा इंसान जंगल से लौटकर आया। उसने सबकी तरफ देखा और कहा कि उस चीख को सब भूल जाना, नहीं तो जीना मुश्किल हो जाएगा। इतना कहकर वो ढाबे के अंदर चला गया गया। तभी ड्राइवर भी टायर बदलकर बस लेकर ढाबे के पास पहुंचा। सभी लोग भगवान का नाम लेते हुए उस बस में बैठ गए।

टीचर ने बस में बैठते ही सबको कहा कि कोई एक दूसरे से बात नहीं करेगा। सीधे सब सो जाओ। टीचर की बात मानकर सब चुपचाप बस में ही सो गए। उसके बाद पिकनिक स्पॉट पर पहुंचे और करीब एक हफ्ते बाद घूमकर आ गए। पिकनिक में किसी ने दूसरे बस के बच्चों से उस रात के बारे में कुछ नहीं कहा, क्योंकि टीचर ने मना किया। लेकिन, पिकनिक से लौटते ही सबने अपने दोस्तों और दूसरी क्लास वालों को इस भूतिया घटना के बारे में बताया।

आज पिकनिक का नाम सुनते ही यही भूतिया ढाबे की कहानी अंकिता के मन में आ गई और बच्चों को पिकनिक भेजने से उसे डर लगने लगा।

कहानी से सीख

बीती घटनाओं को भूल जाना ही अच्छा है, नहीं तो जीवन भर वो घटना डराती रहती है।

रंग भरो

Jammu & Kashmir

फरीदाबाद में मिले विस्फोटक की जांच के दौरान कश्मीर में बड़ा धमाका, 9 पुलिसकर्मी शहीद

नौगाम, (एजेंसी) श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में गुरुवार को हुए बड़े धमाके में अब तक 9 पुलिसकर्मी शहीद हो गए और लगभग 30 से अधिक घायल हैं। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मलबे में फंसे लोगों को निकालने का काम जारी है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। CCTV फुटेज में धमाका पूरे थाने परिसर में फैलता दिखाई दे रहा। तेज धुएं और आग की लपटों ने क्षेत्र में अफरा-तफरी मचा दी।

अधिकारियों ने बताया कि कुछ शरीर के अंग 300 फीट दूर तक मिले, जिससे विस्फोट की तीव्रता का पता चलता है। कई घायलों की हालत गंभीर है और

बचावकर्मी मलबे में लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं।

थाने के भीतर 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट सुरक्षित सील करने की प्रक्रिया के दौरान कथित रूप से गलत हैंडलिंग की गई। यह सामग्री एक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में सील की जा रही थी। एक बात यह भी कही जा रही है कि थाने के परिसर में खड़ी एक जब्त की गई कार को IED से लैस किए जा रहा था। अधिकारियों का अनुमान है कि पहला ब्लास्ट IED से हुआ, जिसने बाद में अमोनियम नाइट्रेट के बड़े विस्फोट को ट्रिगर किया।

थाने के चारों ओर सुरक्षा बलों ने घेरा बना लिया है। डॉग स्क्वॉड और विशेषज्ञ टीमें घटकों और विस्फोट स्थल का निरीक्षण कर रही हैं। डीसी श्रीनगर अक्षय लबरू ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की।

Jharkhand

रांची में दर्दनाक हादसा! डैम में डूबने से 4 पुलिसकर्मियों की मौत

रांची, (एजेंसी) झारखंड की राजधानी रांची में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां के हटिया डैम में 4 पुलिसकर्मी डूब गए, जिनमें से तीन का शव बरामद किया गया है। एक पुलिसकर्मी का पता नहीं लग पाया है। मिली जानकारी के अनुसार, चारों पुलिसकर्मी कार से कहीं जा रहे थे, इस दौरान कार अनियंत्रित होकर डैम में जा गिरी और चारों डूब गए।

घटना हटिया डैम पर घटी है। शनिवार सुबह चार पुलिसकर्मी कार से जा रहे थे। जब उनकी कार हटिया डैम के पास पहुंची तो अनियंत्रित हो गई और डैम में जा गिरी। यहां डैम में डूबने के बाद जब तलाश की गई तो 3 पुलिसकर्मियों के शव बरामद हुए। चौथे पुलिसकर्मी की भी मौत की आशंका है। हालांकि, अभी तक चौथे पुलिसकर्मी का शव बरामद नहीं किया गया है।

मिला जानकारी के अनुसार, चारों पुलिसकर्मियों में दो न्यायिक अधिकारी के बॉडीगार्ड थे और एक सरकारी ड्राइवर भी था। डैम में गाड़ी डूबने से सभी की मौत हुई है। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान उपेंद्र कुमार और रॉबिन कुजूर के रूप में हुई है। इस घटना के बाद तलाशी के दौरान गोताखोरों ने 2 हथियार भी बरामद कर लिए हैं।

Bihar

तरारी विधानसभा सीट से जन सुराज के प्रत्याशी चंद्रशेखर सिंह का दिल का दौरा पड़ने से निधन

पटना, (एजेंसी) बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आज आ गए हैं. इसी बीच तरारी सीट से जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार चंद्रशेखर सिंह का पटना के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया. पार्टी सूत्रों के अनुसार, वह पिछले 10 दिनों से बीमार थे और इसी वजह से अस्पताल में भर्ती थे. बीमारी के चलते उन्होंने चुनाव प्रचार में भी हिस्सा नहीं लिया था. 31 अक्टूबर को चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें पहला हार्ट अटैक आया था. इसके बाद पटना में भर्ती कराया गया था. तरारी विधानसभा क्षेत्र में पहले चरण में मतदान हो चुका है. अचानक हुई इस मौत से स्थानीय राजनीतिक हलकों में शोक की लहर है और पार्टी नेताओं ने उनके निधन पर संवेदना व्यक्त की है. बता दें कि तरारी विधानसभा सीट पर नतीजे सामने आ चुके हैं.

Bihar

रामगढ़ मतगणना में पुलिस और समर्थकों के बीच बवाल, सिपाहियों के सिर फोड़े, गाड़ी फूंकी

कैमूर, (एजेंसी) जिले में रामगढ़ विधानसभा की मतगणना के दौरान मोहनिया में मतगणना केंद्र के बाहर अचानक हंगामा हो गया, जहां बीएसपी प्रत्याशी के समर्थकों की पुलिस के साथ झड़प हो गई। इसी दौरान समर्थकों ने ईंट-पत्थर चलाए, जिसमें 3 से 4 पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक-दो पुलिसकर्मियों के सिर और चेहरे पर चोट आई और खून बहने लगा। स्थिति बिगड़ने पर आनन-फानन में एंबुलेंस बुलाई गई। हंगामे के बीच भीड़ ने एक स्कॉर्पियो में भी आग लगा दी।

बताया जाता है कि 24 राउंड की गिनती होने के बाद बीएसपी और बीजेपी प्रत्याशी के बीच सिर्फ 175 वोटों का अंतर रह गया था। अंतिम राउंड का परिणाम अब भी बाकी था। समर्थकों का आरोप था कि जान-बूझकर गिनती धीमी की जा रही है और नतीजे रोककर रखे गए हैं। इसी के

विरोध में वे उग्र हो गए और पुलिस के समझाने पर स्थिति और बिगड़ गई, जिसके बाद पथराव शुरू हो गया। गौरतलब है कि प्रदेश में दो चरणों में चुनाव हुए थे, जिसके बाद आज मतगणना की प्रक्रिया चल रही है। राज्यभर में कहीं से बड़े हंगामे की सूचना नहीं है लेकिन कैमूर में हुए इस घटनाक्रम ने तनाव बढ़ा दिया है।

खेल

यूएई पर भारत की 148 रन से बड़ी जीत

वैभव सूर्यवंशी के बाद गुरजपनीत सिंह और हर्ष दुबे ने ढाया कहर

दोहा, (एजेंसी) राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। शुक्रवार को दोहा में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में जितेश शर्मा की अगुवाई में भारत ए ने 148 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की, जिसकी नींव युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने रखी। उन्होंने महज 42 गेंदों में 144 रन बनाए जबकि कप्तान जितेश ने 83 रनों की नाबाद पारी खेली। अब भारत का सामना 16 नवंबर यानी रविवार को पाकिस्तान शाहीन्स से होगा।

सूर्यवंशी का धमाका

इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए टीम की शुरुआत झटके से हुई। सलामी बल्लेबाज प्रियांश

आर्य सिर्फ 10 रन बनाकर रनआउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी को नमन धीर का साथ मिला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 163 रनों की विशाल साझेदारी हुई। इस दौरान 14 वर्षीय बल्लेबाज सूर्यवंशी ने महज 32 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। वह 42 गेंदों में 11 चौके और 15 छक्के की मदद से 144 रन बनाने में कामयाब हुए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 342.85 का रहा। यूएई के खिलाफ नमन धीर ने 34 और नेहल वढेरा ने 14 रन बनाए। वहीं, जितेश शर्मा 83 और रमनदीप सिंह छह रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह भारत ने 20 ओवर में चार विकेट पर 297 रन बनाए। विपक्षी टीम की तरफ से मोहम्मद फराजुद्दीन, आयान अफजल खान और मुहम्मद जवादुल्लाह ने एक-एक झटके।

20 ओवर में सिर्फ 149 रन ही बना सकी यूएई

298 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत खराब हुई। कप्तान अलीशान शराफू सिर्फ तीन रन बनाए जबकि सलामी बल्लेबाज मयंक कुमार 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए अहमद तारिक खाता भी नहीं खोल पाए। उनके लिए सर्वाधिक रन सोहेब खान ने बनाए। वह 41 गेंदों में 63 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा सैयद हैदर ने 20, मुहम्मद अरफान ने 26 और आयान व फराजुद्दीन ने दो-दो (नाबाद) रन बनाए। इस तरह 20 ओवर में सात विकेट पर सिर्फ 149 रन ही बना सकी। भारत ए के लिए गुरजपनीत सिंह ने तीन विकेट लिए जबकि हर्ष दुबे ने दो सफलताएं अपने नाम कीं। इसके अलावा रमनदीप सिंह और यश ठाकुर को एक-एक विकेट मिला।

सिनेमा

दिग्गज एक्ट्रेस कामिनी कौशल का 98 वर्ष की उम्र में निधन, कान फिल्म अवॉर्ड जीतने वाली पहली इंडियन एक्ट्रेस

बॉलीवुड को एक और बड़ा झटका लगा है। पंकज धीर, असरानी और सतीश शाह जैसे दिग्गजों के बाद हिंदी सिनेमा की सम्मानित और बेहतरीन एक्ट्रेस कामिनी कौशल का निधन हो गया है। वह 98 साल की थीं। बताया जाता है कि उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से उनकी जान गई है। हालांकि, परिवार ने फैंस और लोगों ने निजता का खयाल रखने की अपील की है। कामिनी कौशल का भारतीय सिनेमा में 7 दशक से अधिक लंबा करियर रहा है। वह आखिरी बार आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में कैमियो रोल में नजर आई थीं। पत्रकार विक्की लालवानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कामिनी कौशल के निधन की पुष्टि की है। उन्होंने परिवार के एक करीबी सूत्र के हवाले से बताया है कि दिग्गज एक्ट्रेस अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनका परिवार बेहद लो-प्रोफाइल जीवन में भरोसा रखता है, इसलिए फैमिली ने प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की है। कामिनी कौशल का जन्म 24 फरवरी, 1927 को ब्रिटिश भारत के लाहौर में हुआ था। वह दो भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटी थीं। उनके पिता लाहौर स्थित पंजाब विश्वविद्यालय में बॉटनी के प्रोफेसर थे। वह प्रोफेसर शिव राम कश्यप की पुत्री थीं।

Highlights

1. Congress has become more Leftist in recent years to counter BJP: Tharoor
2. Change about to come: Tejashwi as counting for Bihar polls begins
3. Trends show BJP-led NDA crossing majority mark in Bihar
4. Mangaluru woman loses ₹1.8 crore in cyber fraud
5. Jalebi preparation begins at BJP office as counting starts in Bihar
6. 'Jail ka faatak tootega' posters supporting Anant Singh surface

Govt revokes quality control order on polyester yarn; industry welcomes move

NEW DELHI, (Agency). The ministry of chemicals and fertilizers has rescinded 14 quality control orders (QCOs), including polyester fibre and polyester yarn with immediate effect in public interest after consulting the Bureau of Indian Standard (BIS), according to government notifications.

The move will help the textile sector, as most of the items are used as inputs in the textile value chain. The Confederation of Indian Textile Industry (CITI) welcomed the rescinding of QCOs on polyester fibre and polyester yarn, saying that "this pro-growth measure will hugely benefit" the country's textile and apparel sector.

Notifications published in the Gazette of India covered terephthalic acid, ethylene glycol, polyester spun grey and white yarn, polyester industrial yarn, polyester staple fibres (PSF), polyester continuous filament fully drawn yarn, polyester partially oriented yarn, polyethylene material for moulding and extrusion, acrylonitrile butadiene styrene (ABS), polypropylene materials for moulding and extrusion, polyvinyl chloride homopolymers, ethylene vinyl acetate copolymers, polyurethanes, and polycarbonate.

"The rescinding of the Quality Control Orders (QCOs) on Polyester Fibre and Polyester Yarn comes as a great relief, as it has been a long-awaited demand of all the user industries," CITI chairman Ashwin Chandran said in a statement.

Polyester fibre and polyester yarn form most of the man-made fibre (MMF) products, and hence, this measure by the authorities will contribute to the growth of the MMF segment in India, he added.

Chandran said the removal of these QCOs will improve the cost competitiveness of Indian textile and apparel products by making it easier to obtain raw materials at internationally competitive prices.

Manipal Group submits a second bid to acquire Byju's with an eye on Aakash

NEW DELHI, (Agency). Ranjan Pai-led Manipal Education & Medical Group Pvt. Ltd. has submitted a second bid to acquire Byju's parent Think & Learn Pvt. Ltd. under insolvency, in what is seen as a move to wrest control of Aakash Educational Services Ltd.—a profitable test-prep coaching centre that Byju's acquired in 2021.

According to the expression-of-interest documents filed with Byju's resolution professional, Manipal Group has sought to be included as a prospective bidder, so that it can conduct a due dilligence of the insolvent company's financial and operational details to draw up a resolution plan.

This is Manipal Group's second EoI since the resolution professional extended the submission date to 13 November 2025 due to lack of bidders. It's however understood that Ranjan Pai is the sole bidder for Byju's.

To be sure, an EoI does not guarantee that a bidder would be shortlisted or approved for the next phase of insolvency resolution.

शादी से पहले की जांच हो या किसी कोर्ट केस से संबंधित सबूतों की जरूरत....

व्यक्तिगत-व्यापारिक जीवन में कोई शंका या सबूत की जरूरत.....

कहीं किसी के द्वारा धोखा या छल तो नहीं किया जा रहा...

जांचिए ! परखिये !!

ऐसे सारी परिस्थितियों के लिए

"डिटेक्टिव" को अपना मित्र बनाए ...

गोपनीयता और विश्वनीयता के साथ जांच करवाएं.....तब निर्णय करें।

समाज में जागरुकता फैलाये।

FOLLOW US

DETECTIVE GROUP

Detecting the truth.

091110 50101 | www.detectivegroup.in | www.detectivesgroup.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक